

第二 攝心所分別品 (Cetasikaparicchedo)



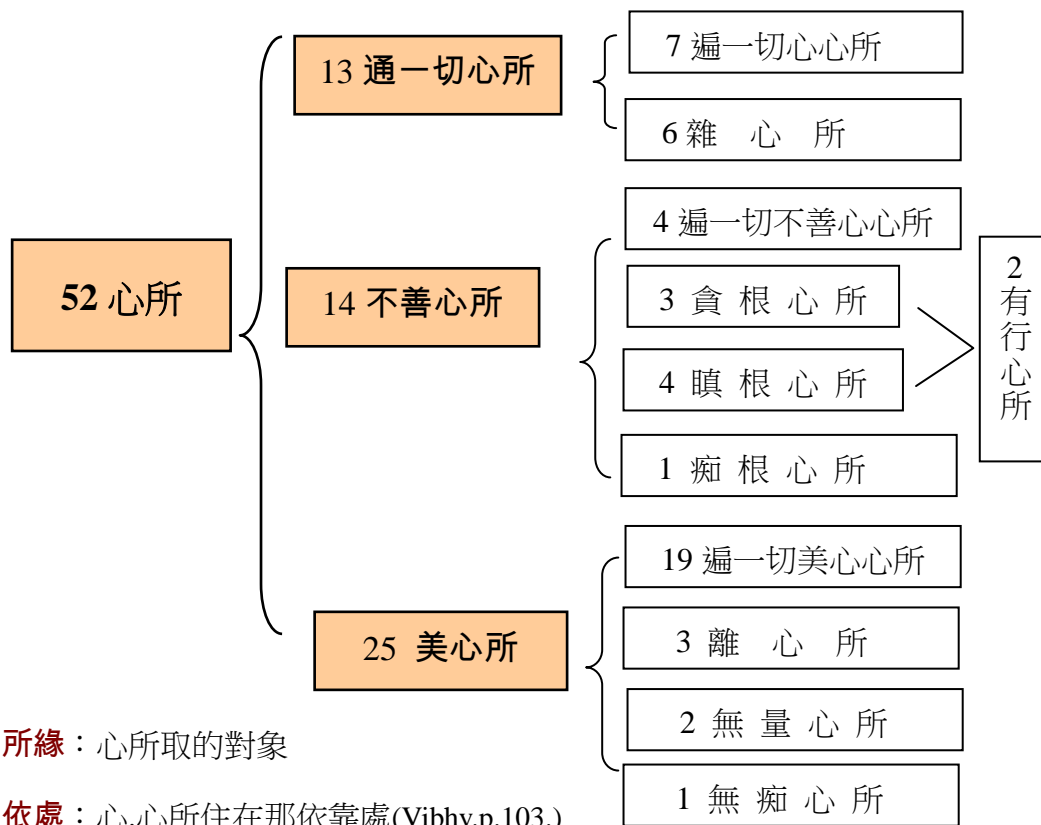
本品導讀

- 「心所」(cetasika) 是分類心與分析心的重要依據；因此，本品專文解說第二種究竟法——「心所」。本品首先從四個鑑別法（即：特相、作用、現起與近因），逐項分析每一個心所。然後再由兩個不同的主軸分析心所與心的關係：**一、心所相應理**(cetasikasampayoganaya)：以「心所」作為分析的重點，逐項探討**每一個「心所」各能與哪些「心」相應**；**二、心所攝理**(cetasikaṅgahanaya)：以「心」作為分析的重點，逐項探討**每一種「心」各能包含哪些「心所」**。

「心所」是心的成份、因子，從屬於心，是心的伴隨者、附屬物。「心」是不會單獨生起的，必定有相應的「心所」伴隨；心與心所的關係，如同國王與大臣，國王出現必定有大臣伴隨。每個心識剎那都會有一組「心與心所」生起，該組「**心與心所**」**必定：同時生、同時滅、同一所緣、同一依處**。心與心所的聚合即稱為「名聚」。

- 本品【表解】將每個「心所」與每個「心」之間的交叉組合關係，分別以「心所為縱軸、心為橫軸」（心所相應理），及以「心為縱軸、心所為橫軸」（心所攝理），詳細列表標明，方便讀者一點點算與理解。

關於心所與心之間的複雜關係，讀者不須要死記；若能以「經常查閱」表解的方式，於日常生活中隨時檢視自己起心動念的品質，反而能經由「理解」的方式去體會：心是基於心所的不同組合，而有不同層次的品質與分類方式。





依「本性」分，心所可分為三類：

【**通一切心所**】通一切不善、善與無記的心所（13 個）

此類心所的「本性」是由共存（即：同一「名聚」裡同時存在）的心所與心決定，尤其是相應的「因」；與美心共存則為美心所，與不善心共存則為不善心所，與無記心共存則變成無記心所。通一切心所可再分兩類：

【**遍一切心心所**】（7 個）：觸、受、想、思、一境性、名命根、作意。

這七個心所必然伴隨每個心；換言之，每一個心必然有這 7 個相應心所。
雙五識是最基本的心，就只有這 7 個心所。

【**雜心所**】（6 個）：只發生於某些心。

「尋」不出現於：雙五識及第二禪以上的心。

「伺」不出現於：雙五識及第三禪以上的心。

「勝解」不出現於：雙五識及疑心。

「精進」不出現於：15 無因果報心及 1 無因五門轉向心

（16=18 無因心－1 意門轉向心－1 生笑心）。

「喜」出現於：悅俱(悅受)的心，但悅俱的第四禪心沒有喜。

「欲」不出現於：18 無因果報心及 2 痴心。

【**不善心所**】只與「不善心」相應的心所（14 個）：

【**遍一切不善心心所**】（4 個）：痴、無慚、無愧、掉舉。

這 4 個心所必然伴隨每個不善心。

【**貪根組心所**】（3 個）：貪、邪見、我慢。

「貪」心所必然出現於 8 個貪心。「邪見」必然出現於 4 個邪見相應貪心；

「慢」只能出現於 4 個邪見不相應貪心，且視情況可出現或不出現。

【**瞋根組心所**】（4 個）：瞋、嫉、慳、惡作。

「瞋」心所必然出現於兩個瞋心；嫉、慳、惡作則視情況可出現或不出現，且不能同時出現。

【**癡根組心所**】（1 個）：疑。只出現於疑心。

【**有行心所**】（2 個）：昏沉、睡眠。只出現於 4 個有行貪心與 1 個有行瞋心。

【**美心所**】只與「美心」相應的心所（25 個），可分為四組：

【**遍一切美心心所**】（19 個）。

這 19 個心所必然伴隨每個美心，換言之，59 個美心必然有這 19 個心所。

【**三離心所**】（3 個）：正語、正業、正命。

只出現於欲界八大善心，及八出世間心。八出世間心必然同時生起三離心所，而欲界善心則視情況生起且一次只能生起其中一個。離有三種：自然離（有機會造惡而不造惡）、持戒離（由於持戒而不造惡）、正斷離（出世間心）。

【**無量心所**】（2 個）：悲無量心所與喜無量心所。

視情況出現，可出現於 28 種心，即：欲界 8 大善心、8 大唯作心及 12（初禪至四禪）禪心。

【**無痴心所**】（1 個）：慧。出現於欲界 12 智相應心、一切色界心、無色界心與出世間心。

【五十二心所】(Cetasika)

| 13 通一切心所 | |
|---------------------------------|---------|
| 7 遍 一 切 心 心 所 | (1) 觸 |
| | (2) 受 |
| | (3) 想 |
| | (4) 思 |
| | (5) 一境性 |
| | (6) 名命根 |
| | (7) 作意 |
| 6 雜 心 心 所 | (1) 尋 |
| | (2) 伺 |
| | (3) 勝解 |
| | (4) 精進 |
| | (5) 喜 |
| | (6) 欲 |

| 14 不善心所 | |
|---|--------|
| 4 遍 一 切 不 善 心 心 所 | (1) 痴 |
| | (2) 無慚 |
| | (3) 無愧 |
| | (4) 掉舉 |
| 3 貪 根 | (1) 貪 |
| | (2) 邪見 |
| | (3) 慢 |
| 4 瞋 根 | (1) 瞋 |
| | (2) 嫉 |
| | (3) 慳 |
| | (4) 惡作 |
| 1 痴 根 | (1) 疑 |
| 2 有 行 | (1) 昏沉 |
| | (2) 睡眠 |

| 25 美心所 | |
|---------------------------------------|------------|
| 19 遍 一 切 美 心 心 所 | (1) 信 |
| | (2) 念 |
| | (3) 慚 |
| | (4) 愧 |
| | (5) 無貪 |
| | (6) 無瞋 |
| | (7) 中捨性 |
| | (8) 心所輕安 |
| | (9) 心輕安 |
| | (10) 心所輕快性 |
| | (11) 心輕快性 |
| | (12) 心所柔軟性 |
| | (13) 心柔軟性 |
| | (14) 心所適應性 |
| | (15) 心適應性 |
| | (16) 心所練達性 |
| | (17) 心練達性 |
| | (18) 心所正直性 |
| | (19) 心正直性 |
| 3 離 心 心 所 | (1) 正語 |
| | (2) 正業 |
| | (3) 正命 |
| 2 無 量 心 心 所 | (1) 悲憫 |
| | (2) 隨喜 |
| 1 無 痴 心 心 所 | (1) 慧根 |

※ 五十二心所之巴利文、英文、中文對照表
詳見附錄

*(14)心所適應性=心所適業性

*(15)心適應性=心適業性

五十二心所〈釋義〉

| 鑑別法 心所 | | 特 相 (lakkhaṇa) | 作 用 (rasa) | 現 起 (paccupaṭṭhāna) | 近 因 (足處) (padaṭṭhāna) |
|-----------|-----|--|---|--|--|
| 遍一切心所 | 觸 | 接觸目標 | 目標與識撞擊 | 1.因依處、目標與識集合生起 2.導致受*(、想、行)的生起(見 M.109.) | 出現於諸門之境 |
| | 受 | 被感受 | 體驗目標 | 身心受樂、苦、平靜 | 身根，即身淨色(的接觸) |
| | 想 | 在心裡作標誌或印記，知道目標之間的差別，譬如「褐色」、「金色」等等。 | 1.通過以前所作的標誌，而認得相同的所緣。 2.對目標作印記，以便再次體會相同目標時能知道「就是這個」。 | 1.心所注意的記號；根據該記號或相去注意目標。 2.不深入地取目標；不取目標太久。 | 目標的顯現(如鹿看到用草造成的假人時，會想它為「人」。) |
| | 思 | 催促或發動相應法朝向目標 | 集合(以便相應法不會紊亂)。 | 指導 | 1.依處 2.目標 3.從觸至作意最為顯著的相應法 |
| | 一境性 | 1.作為首領。2.穩定於目標，不散亂。3.是相應法對目標不散亂之因。 | 統一俱生法 | 1.平靜；寂止。 2.智(果)生起之因。 | (多數是)樂受(*：這是指處在禪定狀態) |
| | 命根 | 維持相應名法。 | 令相應名法能夠從生起至壞滅之間存在 | 維持相應名法存在，直到壞滅 | 應受維持的名法 |
| | 作意 | 「推動」或指揮相應法朝向目標 | 把相應法與目標連接起來 | 面對目標 | 目標 |
| 雜心所 | 尋 | 把心投向或導向目標 | 全面地撞擊目標 | 把心導向目標 | 目標(或目標+依處+觸) |
| | 伺 | 一再地伺察於所緣 | 重覆地把相應名法置於目標 | 令心繼續(於所緣) | 目標(或目標+依處+觸) |
| | 勝解 | 確信或確定目標 | 不猶豫 | 確定或決定 | 另一個需要抉擇的目標 |
| | 精進 | 努力或能忍受所面對的任何苦 | 支持或穩固相應名法 | 不放棄 | 1.悚懼智(samvega ñāṇa)，在《增支部·一集》，佛陀說：「有悚懼智者能正確地精進。」2.精進事。 |
| | 喜 | 喜歡目標 | 1.令身與心喜悅。2.散播勝心生色至全身。 | 身與心的喜悅 | 目標(或目標+依處+觸) |
| | 欲 | 欲作 | 尋找目標 | 要目標；需要目標 | 所希求的目標 |
| 遍一切不善心所 | 癡 | 1.心盲目；無法如實知見究竟法的真實性。2.或無智，即不能透徹地知見究竟法的真實性。 | 1.不能透徹地知見究竟法的真實性。 2.覆蔽究竟法的真實性。 | 1.導致錯誤的修行，或沒有正確的修行。 2.令慧眼盲目。 | 不如理作意，即作意目標(究竟法)為常、樂、我、淨等。 |
| | 無慚 | 不厭惡或不恥於惡行 | 無恥地為惡 | 不退避於造惡 | 不尊重自己 |
| | 無愧 | 不害怕惡行 | 無懼地為惡 | 不退避諸惡 | 不尊重他人 |
| | 掉舉 | 心不平靜(如被風吹起漣漪的水) | 心不穩定(如被風吹動的旗) | 混亂 | 對散亂之心起不如理作意 |

| | | | | | |
|----------------------------|-----|--------------------------------|---|---|--------------------------|
| 貪 根 心 所 | 貪 | 執著目標為「我的」 | 黏著目標 | 不能捨棄目標 | 認為諸結之法有樂味 |
| | *邪見 | 錯誤地作意究竟法為常、樂、我、淨 | 錯誤地認為究竟法是常、樂、我、淨 | 錯誤地理解究竟法為常、樂、我、淨 | 不想見聖者，如佛陀等等 |
| | 慢 | 驕傲 | 高舉自己；「稱讚」、「奉承」相應名法 | 欲自標榜 | 與見不相應的貪 |
| 瞋 根 心 所 | 瞋 | 粗野 | 1. 令自己掙扎與顫動。2. 身體的掙扎與顫動。3. 怒燒(瞋的)心所依處或身心。 | 毀壞身心；或毀壞自己與他人的福利。 | 九或十種瞋怒事。 |
| | 嫉 | 嫉羨他人的成就 | 不喜他人的成就 | 不能忍受看到他人成就；背向他人的成就。 | 他人的成就 |
| | 慳 | 隱秘自己已得或當得的利益 | 不能忍受與他人分享自己的利益 | 1. 怨恨與吝嗇（因為不樂於與他人分享自己所得。）2. 或導致不樂、不喜與痛苦。 | 自己所得 |
| | 惡作 | 追悔 | 追悔已造的惡，以及沒有實行的善 | 不斷憶起時感到後悔，或心感到不快。 | 已造的惡及未行的善 |
| 有 行 心 所 | 昏沈 | 不努力；不精進 | 去除精進 | 心的消沉，或辦事的精進力退減。 | 對導致怠惰的所緣起不如理作意 |
| | 睡眠 | 心所的不適業 | 閉塞識門，或令相應法沉滯 | 1. 退離目標。2. 昏昏欲睡。 | 對導致怠惰的所緣起不如理作意 |
| 痴 心 所 | 疑 | 懷疑三寶、緣起、因果（對八事、*十六事懷疑） | （對八事）起動搖 | 導致(對八事)猶豫不決。 | 對懷疑八事、 十六事 起不如理作意 |
| 遍 一 切 美 心 所 | 信 | 對當信之事有信心或信仰。 | 1. 使到相應名法對當信之事清楚。2. 引發自己與相應名法對當信之事有信心，而不會退減，也不退避。 | 1. 相應名法對當信之事不迷濛。2. 無疑、無不如理作意，以及不猶豫地確定當信之事，或使到對當信之事作出決定。 | 當信之事 |
| | 念 | 1. 使相應法對目標念念分明而不流失。2. 全心投入於善行。 | 去除會令目標消失的放逸；不令目標消失。 | 1. 守護心，或守護禪修目標。2. 心面對目標的狀態。 | 1. 強而有力的想。2. 或身念處等等。 |
| | 慚 | 對惡行感到厭惡 | 恥於造惡 | 退避諸惡 | 尊重自己 |
| | 愧 | 對惡行感到害怕 | 害怕造惡 | 退避諸惡 | 尊重他人 |
| | 無貪 | 心不貪求、不染著目標 | 不執著目標為「我的」或「我的東西」 | 不執著目標 | 目標（或依處+目標+觸）；或如理作意。 |
| | 無瞋 | 1. 不粗野。2. 不對抗。（如事事皆隨順己意的朋友。） | 去除怨恨；去除怒火 | 如滿月般清澈與祥和 | 目標（或依處+目標+觸）；或如理作意。 |
| | 中捨性 | 平衡心與心所、*平等性 | 1. 防止過多或不足。2. 去除偏差。 | 中捨 | 相應名法（或依處+目標+觸）；或如理作意。 |

| | | | | | |
|---------|-------|---|--------------------------|------------------------|---------------------------------|
| 遍一切美心心所 | 心所輕安 | 心所(受.想.行)輕安、鎮靜 | 破除心所與心的不安 | 心所與心的寧靜、輕安、不顫動 | 心所與心 |
| | 心輕安 | 心的輕安、鎮靜 | 破除心所與心的不安 | 心所與心的寧靜、輕安、不顫動 | 心所與心 |
| | 心所輕快性 | 心所(受.想.行)的輕快 | 破除心所與心的沉重 | 心所與心不沉重 | 心所與心 |
| | 心輕快性 | 心的輕快 | 破除心所與心的沉重 | 心所與心不沉重 | 心所與心 |
| | 心所柔軟性 | 心所(受.想.行)的柔軟 | 破除心所與心的僵硬性 | 心所與心對目標無對抗及無阻礙 | 心所與心 |
| | 心柔軟性 | 心的柔軟 | 破除心所與心的僵硬性 | 心所與心對目標無對抗及無阻礙 | 心所與心 |
| | 心所適業性 | 心所(受.想.行)具堪任性 | 破除心所與心對善作業的不適應性 | 心所與心成功於取某所緣為目標 | 心所與心 |
| | 心適業性 | 心具堪任性 | 破除心所與心對善作業的不適應性 | 心所與心成功於取某所緣為目標 | 心所與心 |
| | 心所練達性 | 心所(受.想.行)具熟練性 | 破除心所與心之疾病 | 心所與心毫無瑕疵 | 心所與心 |
| | 心練達性 | 心具熟練性 | 破除心所與心之疾病 | 心所與心毫無瑕疵 | 心所與心 |
| 離心所 | 心所正直性 | 心所(受.想.行)正直 | 破除心所與心的欺騙性 | 心所與心不狡詐 | 心所與心 |
| | 心正直性 | 心正直 | 破除心所與心的欺騙性 | 心所與心不狡詐 | 心所與心 |
| | 正語 | 遠離、擺脫不正語。 | 遠離惡語 | 不造惡語 | 信、慚、愧、知足等 |
| 無量心所 | 正業 | 遠離、擺脫不正業（殺、盜、淫）。 | 遠離身惡行 | 不造身惡行 | 信、慚、愧、知足等 |
| | 正命 | 遠離、擺脫不正命（非法營利）的心思。 | 遠離邪命 | 不造邪命 | 信、慚、愧、知足等 |
| 慧根心所 | 悲(憫)* | 悲憫，拔除*自他之苦。 | 不忍見*自他之苦 | 不殘忍，或導致*自他不殘忍 | 如理作意見受盡苦難的*自他沒有依歸 |
| | *(隨)喜 | 隨喜*自他利益、成就而生喜悅。 | 不妒嫉*自他的成就 | 對*自他的成就無厭惡 | 見到*自他的成就 |
| 慧根心所 | 慧 | 1.透徹地如實知見究竟法的自性相與共相。2.毫無瑕疵地徹知究竟法，如神射手般一箭貫穿目標。 | 如油燈般照亮目標（意即驅除遮蔽目標的黑暗愚痴。） | 對目標無迷惑（如受到好嚮導指示森林的途徑。） | 定。（佛陀說有定者能如實知見諸法。）（此定尤其是觀智的近因。） |

上表錄自：帕奧禪師《智慧之光》(第三版)第十四章〈特相.作用.現起.近因〉，並加‘’作補充

*Dhammasaṅgaṇī-aṭṭhakathā 《法集論注》(Atthasālinī 殊勝義)：DhsA.p.63.(CS:pg.106)：Lakkhaṇādīsu hi tesam tesam dhammānam sabhāvo vā sāmāññaṇam vā **lakkaṇaṇam** nāma. (各種諸法的諸相共通的自相，稱為‘特相’。) Kiccaṇ vā sampatti vā **raso** nāma. (作(用)或達成，稱為‘作用’。) Upaṭṭhānākāro vā phalaṇ vā **paccupaṭṭhānaṇam** nāma. (作為現前起或果，稱為‘現起’。) Āsannakāraṇaṇam **padaṭṭhānaṇam** nāma. ((最)鄰近之因，稱為‘近因’。)

心所與心之關係 略表

| 89(121)心 52 心所 | | | 54 欲 界 心 | | | | | | | | | | | 15 色 界 心 | | | | | 12 無 色 界 心 | | | | 8 / 40 出 世 間 心 | | | | | 總 計 | | | |
|-----------------------|------------|----|----------|----|----|----|----------|----|----|------|------|--------|-----|----------|-------------|-------|-------|-------|------------|-------------|------|------|----------------|---------|----|-----|-----|-----|-----|-------|--------|
| | | | 12 不善心 | | | | 18 無 因 心 | | | | | 24 有因心 | | | 善 / 果報 / 唯作 | | | | | 善 / 果報 / 唯作 | | | | 道心 / 果心 | | | | | | | |
| | | | 貪根 | 瞋根 | 癡根 | | 雙五識 | 領受 | 推度 | 五門轉向 | 意門轉向 | 阿羅漢笑心 | 大善心 | 大異熟心 | 大唯作心 | 初禪 | 第二禪 | 第三禪 | 第四禪 | 第五禪 | 空無邊處 | 識無邊處 | 無所有邊處 | 非想非非想處 | 初禪 | 第二禪 | 第三禪 | 第四禪 | 第五禪 | 以89心分 | 以121心分 |
| | | | | | 疑 | 掉舉 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | 8 | 2 | 1 | 1 | 10 | 2 | 3 | 1 | 1 | 1 | 8 | 8 | 8 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | | | |
| 13 通一切心所 | 遍一切心心所 7 | | 8 | 2 | 1 | 1 | 10 | 2 | 3 | 1 | 1 | 1 | 8 | 8 | 8 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 89 | 121 | |
| | 6 雜心所 | 尋 | 8 | 2 | 1 | 1 | | 2 | 3 | 1 | 1 | 1 | 8 | 8 | 8 | 3 | | | | | | | | 8 | | | | | | 55 | |
| | | 伺 | 8 | 2 | 1 | 1 | | 2 | 3 | 1 | 1 | 1 | 8 | 8 | 8 | 3 | 3 | | | | | | | 8 | 8 | | | | | 66 | |
| | | 勝解 | 8 | 2 | | 1 | | 2 | 3 | 1 | 1 | 1 | 8 | 8 | 8 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 78 | 110 | |
| | | 精進 | 8 | 2 | 1 | 1 | | | | | 1 | 1 | 8 | 8 | 8 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 73 | 105 | |
| | | 喜 | 悅 4 | | | | | | 1 | | | 1 | 悅 4 | 悅 4 | 悅 4 | 3 | 3 | 3 | | | | | | 8 | 8 | 8 | | | | 51 | |
| | | 欲 | 8 | 2 | | | | | | | | | 8 | 8 | 8 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 69 | 101 | |
| 14 不善心所 | 遍善一心切心所 | 癡 | 8 | 2 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 12 | | |
| | | 無慚 | 8 | 2 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 12 | | |
| | | 無愧 | 8 | 2 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 12 | | |
| | | 掉舉 | 8 | 2 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 12 | | |
| | 貪 | 貪 | 8 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 8 | | |
| | | 邪見 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 4 | | |
| | | 慢 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 4 | | |
| | 瞋 | 瞋 | | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | | |
| | | 嫉 | | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | | |
| | | 慳 | | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | | |
| | | 惡作 | | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | | |
| | 有行 | 昏沈 | 4 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 5 | | |
| | | 睡眠 | 4 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 5 | | |
| | 癡 | 疑 | | | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | |
| 25 美心所 | 遍一切美心心所 19 | | | | | | | | | | | 8 | 8 | 8 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 59 | 91 | | |
| | 離心所 | 正語 | | | | | | | | | | 8 | | | | | | | | | | | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 16 | 48 | | |
| | | 正業 | | | | | | | | | | 8 | | | | | | | | | | | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 16 | 48 | | |
| | | 正命 | | | | | | | | | | 8 | | | | | | | | | | | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 16 | 48 | | |
| | 無量 | 悲喜 | | | | | | | | | | 8 | | 8 | 1/1/1 | 1/1/1 | 1/1/1 | 1/1/1 | | | | | | | | | | 28 | | | |
| | | 慧 | | | | | | | | | | 8 | | 8 | 1/1/1 | 1/1/1 | 1/1/1 | 1/1/1 | | | | | | | | | | 28 | | | |
| 慧 | 慧 | | | | | | | | | | 智 4 | 智 4 | 智 4 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 47 | 79 | | | |

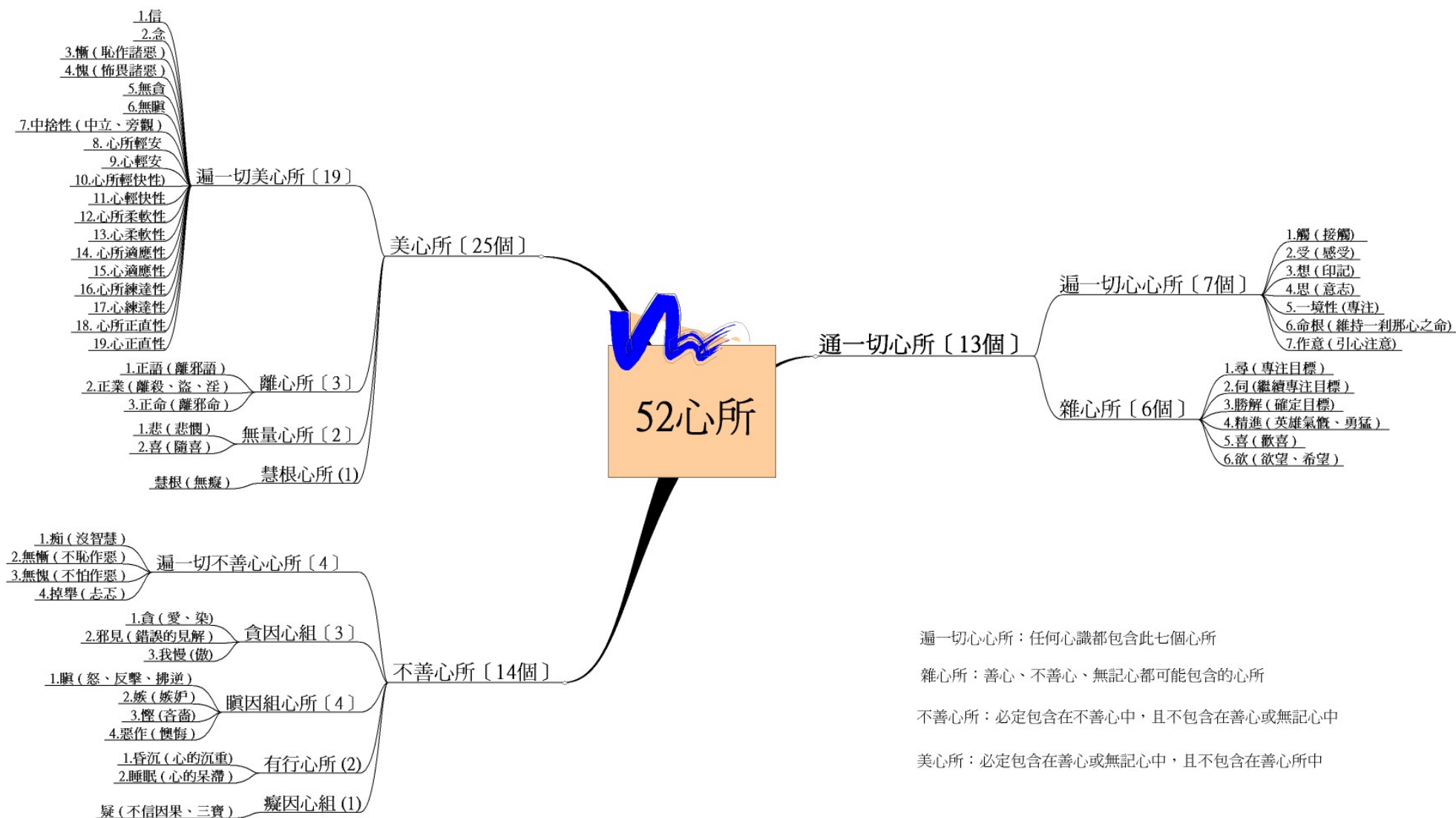
‘★’ 表示不生起，或只生起其中一個

ch.2-8

心所與心之關係〈一覽表 2〉色界心、無色界心、出世間心

| 89 心 | | | 15 色 界 心 | | | | | | | | | | | | | | | 12 無 色 界 心 | | | | | | | | | | | | 8/40 出 世 間 心 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|--|--|----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------------|------|------|--------|------|------|------|--------|------|------|------|--------|--------------|-----|-----|-----|-----|---------|-----|-----|-----|-----|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|
| | | | 善心 | | | | | 果報心 | | | | | 唯作心 | | | | | 善心 | | | | 果報心 | | | | 唯作心 | | | | 4/20 道心 | | | | | 4/20 果心 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | 初禪 | 第二禪 | 第三禪 | 第四禪 | 第五禪 | 初禪 | 第二禪 | 第三禪 | 第四禪 | 第五禪 | 初禪 | 第二禪 | 第三禪 | 第四禪 | 第五禪 | 空無邊處 | 識無邊處 | 無所有處 | 非想非非想處 | 空無邊處 | 識無邊處 | 無所有處 | 非想非非想處 | 空無邊處 | 識無邊處 | 無所有處 | 非想非非想處 | 初禪 | 第二禪 | 第三禪 | 第四禪 | 第五禪 | 初禪 | 第二禪 | 第三禪 | 第四禪 | 第五禪 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 52 心所 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | </ |

‘★’ 表示不生起，或只生起其中一個。



遍一切心心所：任何心識都包含此七個心所

雜心所：善心、不善心、無記心都可能包含的心所

不善心所：必定包含在不善心中，且不包含在善心或無記心中

美心所：必定包含在善心或無記心中，且不包含在善心所中

三、心與心所之關係 略表

| 52 心所 | | | | 13 通一切心所 | | | | | | | 14 不善心所 | | | | | | | 25 美心所 | | | | 實際生起的心所數目 | 全部的心所總數 | | | |
|----------------|--------------|----------------|--------------|----------|----|-----|-----|----|----|-----|------------|----|----|---|----|--------|-------|--------|--------|------------|----------|-----------|---------|-------|-------|----|
| | | | | 遍一切心所 | 尋 | 伺 | 勝解 | 精進 | 喜 | 欲 | 癡.無慚.無愧.掉舉 | 貪 | 邪見 | 慢 | 瞋 | 嫉·慳·惡作 | 昏沈·睡眠 | 疑 | 遍一切美心所 | 正語.業.命.離心所 | 悲.喜.無量心所 | | | 慧 | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 89/121 心 | | | | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | 1 | 1 | 3 | 2 | 1 | 19 | 3 | 2 | 1 | 52 | 52 | | |
| 54 | 12 不善心 | 貪根 | 悅俱.邪見相應.無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | | | | | | | | | | 19 | 19 | |
| | | | 悅俱.邪見相應.有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | | | | 2 | | | | | | 21 | 21 | |
| | | | 悅俱.邪見不相應.無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | | *1 | | | | | | | | | | 18、19 | 19 |
| | | | 悅俱.邪見不相應.有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | | *1 | | | 2 | | | | | | | 20、21 | 21 |
| | | | 捨俱.邪見相應.無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | 18 | 18 |
| | | | 捨俱.邪見相應.有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | 1 | 1 | | | | 2 | | | | | | | 20 | 20 |
| | | | 捨俱.邪見不相應.無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | 1 | | *1 | | | | | | | | | | 17、18 | 18 |
| | | | 捨俱.邪見不相應.有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | 1 | | *1 | | | 2 | | | | | | | 19、20 | 20 |
| | | 瞋根 | 憂俱.瞋恚相應.無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | | | | 1 | *3 | | | | | | | | 17、18 | 20 |
| | | | 憂俱.瞋恚相應.有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | | | | 1 | *3 | 2 | | | | | | | 19、20 | 22 |
| | | | 凝根 | 捨俱.疑相應 | 1 | 7 | 1 | 1 | | 1 | | 4 | | | | | | | 1 | | | | | | 15 | 15 |
| | | | 捨俱.掉舉相應 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | 4 | | | | | | | | | | | | | 15 | 15 |
| | 18 無因心 | 雙五識 | 10 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | 7 | |
| | | 捨俱領受(意界) | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | 10 | 10 | |
| | | 捨俱推度(意識界) | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | 10 | 10 | |
| | | 悅俱推度(意識界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | | | | | | | 11 | 11 | |
| | | 五門轉向(意界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | 10 | 10 | |
| | | 意門轉向(意識界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | 11 | 11 | |
| | | 阿羅漢笑(意識界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | 12 | 12 | |
| | | 8 善心 | 悅俱智相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | * 5 | | 1 | 33、34 | 38 | |
| | | | 悅俱智不相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | * 5 | | | 32、33 | 37 | |
| | | | 捨俱智相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | * 5 | | 1 | 32、33 | 37 | |
| | | | 捨俱智不相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | * 5 | | | 31、32 | 36 | |
| | | 8 果報心 | 悅俱智相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 33 | 33 | |
| | | | 悅俱智不相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | 32 | 32 | |
| 捨俱智相應.無行.有行 | 2 | | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 32 | 32 | | | |
| 捨俱智不相應.無行.有行 | 2 | | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | 31 | 31 | | | |
| 8 唯作心 | 悅俱智相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 33、34 | 35 | | | |
| | 悅俱智不相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | 32、33 | 34 | | | |
| | 捨俱智相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 32、33 | 34 | | | |
| | 捨俱智不相應.無行.有行 | 2 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | 31、32 | 33 | | | |
| 15 色界心 | 善果報唯作 | 初禪 尋.伺.喜.樂.一境性 | 3 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 33、34 | 35 | | |
| | | 第二禪 伺.喜.樂.一境性 | 3 | 7 | | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 32、33 | 34 | | |
| | | 第三禪 喜.樂.一境性 | 3 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 31、32 | 33 | | |
| | | 第四禪 樂.一境性 | 3 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 30、31 | 32 | | |
| | | 第五禪 捨.一境性 | 3 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 | 30 | | |
| 12 無色界心 | 善果報唯作 | 空無邊處 | 3 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 | 30 | | |
| | | 識無邊處 | 3 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 | 30 | | |
| | | 無所有處 | 3 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 | 30 | | |
| | | 非想非非想處 | 3 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 | 30 | | |
| 40 出世間心 | 道心·果心 | 初禪 尋.伺.喜.樂.一境性 | 8 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 36 | 36 | | |
| | | 第二禪 伺.喜.樂.一境性 | 8 | 7 | | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 35 | 35 | | |
| | | 第三禪 喜.樂.一境性 | 8 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 34 | 34 | | |
| | | 第四禪 樂.一境性 | 8 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 33 | 33 | | |
| | | 第五禪 捨.一境性 | 8 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 33 | 33 | | |
| 89 (或*121) 心總計 | | | | | 89 | *55 | *66 | 78 | 73 | *51 | 69 | 12 | 8 | 4 | 4 | 2 | 2 | 5 | 1 | 59 | 16 | 28 | 47 | | | |

標示 * 的心所有時不生起，或各別生起。

心與心所之關係〈一覽表 1〉欲界心

| 52 心所 | | | | 13 通一切心所 | | | | | | | 14 不善心所 | | | | | | | 25 美心所 | | | | 實際總數 | | | |
|----------|--------|------------|------------|------------|---|---|----|----|---|---|------------|---|----|---|---|--------|-------|--------|--------|------------|----------|------|----|-------|-------|
| | | | | 遍一切心所 | 尋 | 伺 | 勝解 | 精進 | 喜 | 欲 | 癡.無慚.無愧.掉舉 | 貪 | 邪見 | 慢 | 瞋 | 嫉.慳.惡作 | 昏沈.睡眠 | 疑 | 遍一切美心所 | 正語.業.命.離心所 | 悲.喜.無量心所 | | 慧 | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 89／121 心 | | | | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | 1 | 1 | 3 | 2 | 1 | 19 | 3 | 2 | 1 | 52 | | |
| 54 | 12 不善心 | 貪根 | 悅俱邪見相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | | | | | | | | | | 19 | |
| | | | 悅俱邪見相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | | | | 2 | | | | | | 21 | |
| | | | 悅俱邪見不相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 18、19 | |
| | | | 悅俱邪見不相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | | 1 | | | 2 | | | | | | 20、21 | |
| | | | 捨俱邪見相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | 1 | 1 | | | | | | | | | | 18 | |
| | | | 捨俱邪見相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | 1 | 1 | | | | 2 | | | | | | 20 | |
| | | 瞋根 | 捨俱邪見不相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 17、18 | |
| | | | 捨俱邪見不相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | 1 | | 1 | | | 2 | | | | | | 19、20 | |
| | | 癡根 | 憂俱瞋恚相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | | | | 1 | *3 | | | | | | | 17、18 | |
| | | | 憂俱瞋恚相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | 4 | | | | 1 | *3 | 2 | | | | | | 19、20 | |
| | | 18 無因心 | 不善果報心 | 捨俱疑相應 | 1 | 7 | 1 | 1 | | 1 | | | 4 | | | | | | | 1 | | | | | 15 |
| | | | | 捨俱掉舉相應 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | 4 | | | | | | | | | | | | 15 |
| | 善果報心 | | | 捨俱眼識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 |
| | | | | 捨俱耳識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 |
| | | | | 捨俱鼻識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 |
| | | | | 捨俱舌識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 |
| | | | 捨俱身識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | |
| | | | 捨俱領受心(意界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | 10 | |
| | 唯作心 | | 捨俱推度心(意識界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | 10 | |
| | | | 捨俱眼識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | |
| | | | 捨俱耳識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | |
| | | | 捨俱鼻識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | |
| | | | 捨俱舌識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | |
| | | | 捨俱身識 | 1 | 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | |
| | 8 善心 | | | 捨俱領受心(意界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | 10 |
| | | | | 悅俱推度心(意識界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | | | | | | 11 |
| | | | | 捨俱推度心(意識界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | 10 |
| | | | | 五門轉向心(意界) | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | 10 |
| | | 意門轉向心(意識界) | | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | | 11 | |
| | | 阿羅漢笑心(意識界) | | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | 12 | |
| | | 悅俱智相應無行 | | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | *5 | | 1 | 33-34 | |
| | | 悅俱智相應有行 | | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | *5 | | 1 | 33-34 | |
| | 8 果報心 | | 悅俱智不相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | *5 | | | 32-33 | |
| | | | 悅俱智不相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | *5 | | | 32-33 | |
| | | | 捨俱智相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | *5 | | 1 | 32-33 | |
| | | | 捨俱智相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | *5 | | 1 | 32-33 | |
| | | | 捨俱智不相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | *5 | | | 31-32 | |
| | | | 捨俱智不相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | *5 | | | 31-32 | |
| | | | 悅俱智相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | 1 | 33 |
| | | | 悅俱智相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | 1 | 33 |
| | 8 唯作心 | | 悅俱智不相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | | 32 |
| | | | 悅俱智不相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | | 32 |
| | | | 捨俱智相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | 1 | 32 |
| | | | 捨俱智相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | 1 | 32 |
| | | | 捨俱智不相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | | 31 |
| | | | 捨俱智不相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | | | | 31 |
| | | | 悅俱智相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | 1 | 33~34 |
| | | | 悅俱智相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | 1 | 33~34 |
| | 8 唯作心 | | 悅俱智不相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | | 32~33 |
| | | | 悅俱智不相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | | 32~33 |
| | | | 捨俱智相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | 1 | 32~33 |
| | | | 捨俱智相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | 1 | 32~33 |
| | | | 捨俱智不相應無行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | | 31~32 |
| | | | 捨俱智不相應有行 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | | 31~32 |
| 悅俱智相應無行 | | | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | | 31~32 | |
| 悅俱智相應有行 | | | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | | | 31~32 | |

- ・「實際總數」欄為實際生起的心所數目（而非全部心所總數）。
- ・標示 * 的心所不能同時生起，只能各別相應生起。

心與心所之關係〈一覽表 2〉 色界心、無色界心、出世間心

| 52 心所 89／121 心 | | | 13 通一切心所 | | | | | | | 14 不善心所 | | | | | | | 25 美心所 | | | | 實際總數 |
|-----------------------|-------|----------------|----------|---|---|----|----|---|---|-------------|---|---|---|----------|-------|---|--------|-----------|---------|---|-------|
| | | | 遍一切心所 | 尋 | 伺 | 勝解 | 精進 | 喜 | 欲 | 癡.無慚.無愧.掉舉. | 貪 | 見 | 慢 | 瞋.嫉.慳.惡作 | 昏沈.睡眠 | 疑 | 遍一切美心所 | 正語正業正命離心所 | 悲、喜無量心所 | 慧 | |
| | | | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | 1 | 4 | 2 | 1 | 19 | 3 | 2 | 1 | 52 |
| 15 色界心 | 5 善心 | 初禪 尋.伺.喜.樂.一境性 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 33~34 |
| | | 第二禪 伺.喜.樂.一境性 | 1 | 7 | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 32~33 |
| | | 第三禪 喜.樂.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 31~32 |
| | | 第四禪 樂.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 30~31 |
| | | 第五禪 捨.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | 5 果報心 | 初禪 尋.伺.喜.樂.一境性 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 33~34 |
| | | 第二禪 伺.喜.樂.一境性 | 1 | 7 | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 32~33 |
| | | 第三禪 喜.樂.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 31~32 |
| | | 第四禪 樂.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 30~31 |
| | | 第五禪 捨.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | 5 唯作心 | 初禪 尋.伺.喜.樂.一境性 | 1 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 33~34 |
| | | 第二禪 伺.喜.樂.一境性 | 1 | 7 | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 32~33 |
| | | 第三禪 喜.樂.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 31~32 |
| | | 第四禪 樂.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | *2 | 1 | 30~31 |
| | | 第五禪 捨.一境性 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| 12 無色界心 | 4 善心 | 空無邊處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 識無邊處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 無所有處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 非想非非想處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | 4 果報心 | 空無邊處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 識無邊處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 無所有處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 非想非非想處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | 4 唯作心 | 空無邊處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 識無邊處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 無所有處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| | | 非想非非想處 | 1 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | | | 1 | 30 |
| 40 出世間心 | 20 道心 | 初禪 尋.伺.喜.樂.一境性 | 4 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 36 |
| | | 第二禪 伺.喜.樂.一境性 | 4 | 7 | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 35 |
| | | 第三禪 喜.樂.一境性 | 4 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 34 |
| | | 第四禪 樂.一境性 | 4 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 33 |
| | | 第五禪 捨.一境性 | 4 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 33 |
| | 20 果心 | 初禪 尋.伺.喜.樂.一境性 | 4 | 7 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 36 |
| | | 第二禪 伺.喜.樂.一境性 | 4 | 7 | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 35 |
| | | 第三禪 喜.樂.一境性 | 4 | 7 | | | 1 | 1 | 1 | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 34 |
| | | 第四禪 樂.一境性 | 4 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 33 |
| | | 第五禪 捨.一境性 | 4 | 7 | | | 1 | 1 | | | | | | | | | 19 | 3 | | 1 | 33 |

◎「總計」欄所標示的心所為實際生起的心所數目。標示 * 的心所不能同時生起，只能各別相應生起。

◎ 善心：造善業之心(在此表中特指禪定之善心)；果報心：造善業成熟的果報(在此表中特指禪定之果報心)；
唯作心：阿羅漢造作任何身口意，皆無未來果報之稱。道心(magga)：四向之一。果心(phala)：四果之一。

世尊作難行之事

《彌蘭陀王問經》：長老說：「大王，世尊曾行難行之事。」

「尊者龍軍，世尊曾行何種難行之事？」

「大王，此為世尊曾行難行之事：他揭示於此非色的心、心所法現行之分析乃基於一種所緣。又說：此是觸、此是受、此是想、此是思、此

是心(‘ayaṃ phasso, ayaṃ vedanā, ayaṃ saññā, ayaṃ cetanā, idaṃ cittan””ti.)。 」

「請給一譬喻。」

「大王，若有人乘船赴海以掌掬水，以舌嘗之。大王，是否他能知孰為恆河水，孰為雅姆那河水，孰為阿奇羅瓦提河水，孰為薩羅補河水及摩希河水？」

「尊者，難知。」

「大王，世尊曾行比此更難行之事，他示於此非色的心、心所法現行之分析乃基於一種所緣。又說此是觸、此是受、此是想、此是思、此是心。」

「善哉，尊者，國王甚為欣喜。」

(Milin.2-7-16. rūpadhammavavatthāna-dukkarapañho, PTS:p.87；CS:p.94；巴宙

初學者對「心與心所的關係」，最好能採「理解」的方式。有些人讀到〈第二品〉的複雜數目，即覺得無聊而因此將阿毘達摩束之高閣，因此建議讀者在回答本品「問題思考」時，訓練自己多善於「查閱」表解，如此透過一再地思考問題，將能大幅提升學習興趣。再者，「**心所與心之關係〈一覽表〉**」於第八品之二十四緣將會是非常實用的參考工具。

〈2.攝心所分別品〉問題思考

- () 1. 與「不善眼識」共存的「受心所」是：1.善 2.不善 3.無記
- () 2. 美心所不會是：1.善 2.不善 3.果報 4.唯作
- () 3. 跟「掉舉」同時生起的心所是：1.不信 2.疑 3.癡 4.不正念
- () 4. 「初禪心」中較顯著的心所：1.尋 2.輕安 3.一境性 4.禪相(nimitta)
- () 5. 「慈」心所歸類在哪一個心所之中：1.悲 2.無瞋 3.心柔軟性 4.正念
- () 6. 「三離心所」：1.只出現於八大善心與八出世間心 2.生起於欲界時，一次只生起一個 3.生起於出世間心時，一次必然同時出現三個 4.以上皆是
- () 7. 「道心」與「廣大心」的心所之比較，包括：1.「道心」有三離心所，「廣大心」沒有 2.「道心」有無量心所，「廣大心」沒有 3.以上皆是
- () 8. 佛陀與阿羅漢的心是否有「思」心所：1.有 2.無 3.有時有，有時無
- () 9. 能與「不善眼識」相應的心所包括：1.想 2.痴 3.瞋 4.以上皆有可能
- () 10.與「貪心」不相應的心所包括：1.一境性 2.掉舉 3.貪 4.惡作
- () 11.與「念」心所不相應的心包括：1.悅俱大果報心 2.捨俱初禪心 3.善果報領受心 4.果心
- () 12.與「無慚」心所不相應的心包括：1.疑心 2.瞋心 3.掉舉心 4.不善推度心
- () 13.與「精進」心所相應的心包括：1.五門轉向心 2.意門轉向心 3.悅俱推度心 4.善耳識
- () 14. 「無量心所」可出現於：1.色界心 2.出世間心 3.無色界心 4.以上皆是
- () 15.關於「慢」的正確描述：1.只出現於四種與邪見不相應的貪心 2.每個邪見不相應貪心必然有慢 3.以上皆是 4.以上皆非
- () 16. 「正命」最佳的定義是：1.正當的生活方式 2.不殺生 3.離邪命 4.尊重生命
- () 17.與「大果報心」相應的「思心所」是：1.善 2.不善 3.無記
- () 18.視「無常」為「常」是：1.掉舉心所 2.疑心所 3.邪見心所 4.慧心所
- () 19.阿羅漢的有因唯作心：1.有離心所 2.一定有慧心所 3.一定有欲心所 4.以上皆非
- () 20. 「廣大心」的心所必須包括：1.慧心所 2.三離心所 3.無量心所 4.以上皆是



- 1. 不善心出現時，同時具有幾個不善心所？
- 2. 正語、正業、正命出現於何時？
- 3. 列舉七遍一切心心所。
- 4. 列舉沒有精進心所的心。(可查閱表格)
- 5. 列舉沒有遍一切不善心心所的心。
- 6. 列舉有慧心所的心。(可查閱表格)
- 7. 悅俱智相應大果報心包含哪些心所。(可查閱表格)
- 8. 阿羅漢有「欲」嗎？
- 9. 將下述各項依心所歸類：*諂、撒嬌、*嬌、*恐懼(怖)、痛心、*恨、諷刺、*懶惰、不正知、不害、*不放逸、*不信、*心亂(散亂)？(打‘*’為其他派系分類為心所。)(課外題)
- 10. 十波羅蜜¹布施、²持戒、³出離(nekkhamma出離欲望)、⁴智慧、⁵精進、⁶忍耐、⁷真實(sacca)、⁸決意(adhiṭṭhāna不動搖己意)、⁹慈(mettā增益眾生安樂)、¹⁰捨(upekkhā旁觀)各具有什麼心所？(課外題)



筆記